

अध्याय 3

भारतीय राजव्यवस्था

संविधान का निर्माण

- कैबिनेट मिशन की संस्तुतियों के आधार पर भारतीय संविधान के निर्माण के लिए संविधान सभा का गठन जुलाई, 1946 ई. में किया गया।
- संविधान सभा के प्रथम बैठक का आयोजन 9 दिसम्बर, 1946 ई. को संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में प्रारम्भ किया गया। डॉ. सचिवदानन्द सिन्हा को सर्वसम्मति से अस्थायी अध्यक्ष चुना गया।
- 11 दिसम्बर, 1946 ई. की बैठक में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान-सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया।
- 13 दिसम्बर, 1946 ई. को पं. जवाहरलाल नेहरू ने 'उद्देश्य प्रस्ताव' प्रस्तुत कर संविधान की आधारशिला रखी। संविधान के निर्माण का कार्य करने के लिए कई समितियाँ बनाई गईं। इसमें 'प्रारूप समिति' प्रमुख थी। इसकी अध्यक्षता डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने की।
- प्रारूप समिति में डॉ. अम्बेडकर के अतिरिक्त एन. गोपालास्वामी आंगर, अल्लादि कृष्णास्वामी अच्युत, के.एम. मुंशी, मोहम्मद सादुल्लाह, डी.पी. खेतान (1948 ई. में इनकी मृत्यु के पश्चात् टी.टी. कृष्णामाचारी) और एन. माधवराव अन्य सदस्य थे। बी.एन. राव को संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया था।

संविधान सभा की प्रमुख समितियाँ

समिति	अध्यक्ष
प्रारूप समिति	डॉ. भीमराव अम्बेडकर
संघ संविधान समिति	जवाहर लाल नेहरू
प्रान्तीय संविधान समिति	बल्लभ भाई पटेल
कार्य संचालन समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
मूल अधिकार एवं अल्पसंख्यक समिति	सरदार बल्लभ भाई पटेल
झण्डा समिति	जे.बी. कृपलानी

- संविधान को तैयार करने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन का समय लगा।
- संविधान 26 नवम्बर, 1949 ई. को बनकर तैयार हो गया था और इसी दिन इसे अंगीकृत किया गया।
- संविधान 26 नवम्बर, 1949 ई. को तैयार हो गया था, किन्तु इसके अधिकतर भागों को 26 जनवरी, 1950 ई. को लागू किया गया।
- 1930 ई. से ही समूर्ण भारत में 26 जनवरी का दिन 'स्वाधीनता दिवस' के रूप में मनाया जाता था। इस कारण 26 जनवरी, 1950 ई. को प्रथम 'गणतन्त्र दिवस' मनाया गया।

- संविधान सभा की अन्तिम बैठक 24 जनवरी, 1950 ई. को हुई और इसी दिन संविधान सभा द्वारा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित किया गया।
- मूल संविधान में 395 अनुच्छेद, 22 भाग तथा 8 अनुसूचियाँ थीं।
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर को भारतीय संविधान के 'जनक' के रूप में जाना जाता है।

भारतीय संविधान के स्रोत

- ब्रिटिश संविधान संसदीय शासन प्रणाली, विधि-निर्माण प्रक्रिया एवं एकल नागरिकता।
- दक्षिण अफ्रीकी संविधान संविधान संशोधन प्रणाली।
- कनाडा का संविधान संघीय व्यवस्था, केन्द्रीय सरकार के अधीन अवशिष्ट शक्तियाँ, संघ और राज्य के बीच शक्ति विभाजन।
- अमेरिकी संविधान प्रस्तावना, मूल अधिकार, न्यायालय की स्वतन्त्रता न्यायिक पुनरावलोकन, राष्ट्रपति के अधिकार एवं कार्य, उपराष्ट्रपति की स्थिति उच्चतम तथा उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को हटाने की विधि एवं वित्तीय आपात।
- ऑस्ट्रेलियायी संविधान प्रस्तावना की भाषा, समवर्ती सूची एवं केन्द्र-राज्य सम्बन्ध।
- जर्मनी का वाइमर संविधान राष्ट्रपति के आपातकालीन अधिकार।
- जापानी संविधान का नून द्वारा स्थापित प्रक्रिया तथा शब्दावली।
- रूसी संविधान मौलिक कर्तव्य।
- फ्रांसीसी संविधान गणतन्त्र।
- आयरलैण्ड का संविधान राज्य के नीति-निदेशक तत्व, राष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल, राज्यसभा में 12 सदस्यों का मनोनयन।
- गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट-1935 इस अधिनियम के लाभग 200 अनुच्छेद प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों से मिलते-जुलते हैं।

स्परणीय तथ्य

- संविधान सभा ने राष्ट्र-ध्वज (तिरंगा) का प्रारूप 22 जुलाई, 1947 ई. को अपनाया।
- रवीन्द्र नाथ टैगोर द्वारा रचित 'जन-गण-मन' को भारत के राष्ट्र-गान के रूप में स्वीकार किया गया। राष्ट्रगान को 24 जनवरी, 1950 ई. को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया।
- बंकिमचन्द्र चट्टर्जी द्वारा रचित 'वन्दे मातरम्' को भारत के राष्ट्र-गीत के रूप में 24 जनवरी, 1950 ई. को अपनाया गया।
- 26 जनवरी, 1950 ई. को संविधान सभा ने सारनाथ रित्यत अशोक स्तम्भ के शीर्ष की अनुकृति को राष्ट्रीय चिह्न के रूप में स्वीकार किया।
- भारत ने सरकारी उद्देश्य के लिए 22 मार्च, 1957 ई. को राष्ट्रीय पंचांग को अपनाया। भारतीय राष्ट्रीय पंचांग शक सम्बत् पर आधारित है।

मूल अधिकार

- भारतीय संविधान के भाग 3 के अनुच्छेद 12 से 35 में मूल अधिकार सम्बन्धी प्रावधान हैं।
- भारतीय संविधान में नागरिकों को सात मौलिक या मूल अधिकार प्रदान किये गए थे, लेकिन 44वें संविधान संशोधन 1978 ई. द्वारा सम्पत्ति के मौलिक अधिकार को समाप्त कर अनुच्छेद 300 'क' के अन्तर्गत एक विधिक अधिकार बना दिया गया। वर्तमान में नागरिकों के प्राप्त मूल अधिकारों की संख्या 6 है।
- अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत निजता के अधिकार को मूल अधिकारों के रूप में मान्यता सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदान की है (अगस्त, 2017)।
- अनुच्छेद 21(A) राज्य 6-14 वर्ष के आयु के समस्त बच्चों को ऐसे हांग से जैसा कि राज्य, विधि द्वारा अवधारित करें, निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध करेगा। (86वाँ संशोधन, 2002)।

मूल अधिकार एवं अनुच्छेद

क्र. सं.	मूल अधिकार	अनुच्छेद
1.	समानता का अधिकार	अनुच्छेद 14 - 18
2.	स्वतन्त्रता का अधिकार	अनुच्छेद 19 - 22
3.	शोषण के विरुद्ध अधिकार	अनुच्छेद 23 - 24
4.	धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार	अनुच्छेद 25 - 28
5.	संस्कृति तथा शिक्षा सम्बन्धी अधिकार	अनुच्छेद 29 - 30
6.	संवैधानिक उपचारों का अधिकार	अनुच्छेद 32

केन्द्र सरकार

राष्ट्रपति

- भारतीय संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित है। वह देश का संवैधानिक प्रधान होता है।
- भारत में संसदीय व्यवस्था को अपनाया गया है। अतः राष्ट्रपति नाममात्र का ही कार्यपालिका का प्रधान है, जबकि प्रधानमन्त्री तथा उसके मन्त्रिपरिषद् में वास्तविक कार्यपालिका शक्तियाँ निहित हैं।
- भारत का राष्ट्रपति अप्रत्यक्ष रूप से एक निर्वाचक मण्डल द्वारा निर्वाचित होता है जिसमें संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, राज्य विधानसभाओं तथा संघ शासित क्षेत्रों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य भाग लेते हैं। राष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल में संसद के मनोनीत सदस्य, राज्य विधानसभाओं के मनोनीत सदस्य तथा राज्य विधानपरिषदों के सदस्य शामिल नहीं किये जाते।
- राष्ट्रपति के चुनाव के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय प्रणाली को अपनाया गया है।
- राष्ट्रपति के चुनाव से सम्बन्धित विवादों की छानबीन तथा निर्णय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किया जाता है।
- राष्ट्रपति का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 61 के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संविधान का उल्लंघन करने पर उसके विरुद्ध महाभियोग चलाकर, उसे पदच्युत किया जा सकता है।
- महाभियोग प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में लाया जा सकता है।
- राष्ट्रपति सशस्त्र मैन्य बलों का प्रधान होता है।
- कार्यपालिका सम्बन्धी शक्तियाँ महत्वपूर्ण अधिकारियों की नियुक्ति व पदच्युति, शासन संचालन सम्बन्धी शक्ति, सैनिक क्षेत्र में शक्ति इत्यादि।

- विधायी शक्तियाँ विधायी क्षेत्र का प्रशासन, सदस्यों का मनोनयन, अध्यादेश जारी करने की शक्ति इत्यादि।
- संविधान द्वारा राष्ट्रपति को देश या उसके किसी हिस्से में आसन संकट से निबटने के लिए आपातकालीन शक्तियाँ दी गई हैं, जिसका प्रयोग वह केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल की सलाह से करता है, ये शक्तियाँ हैं
 - युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह की स्थिति से सम्बन्धित आपातकालीन व्यवस्था (अनुच्छेद 352)।
 - राज्यों में संवैधानिक तन्त्र के विफल होने से उत्पन्न आपातकालीन व्यवस्था (अनुच्छेद 356)।
 - वित्तीय संकट (अनुच्छेद 360)।

स्मरणीय तथ्य

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद दो कार्यकाल तक रहने वाले एकमात्र राष्ट्रपति थे।
- नीलम संजीवा रेड्डी निर्वाचित होने वाले एकमात्र राष्ट्रपति थे।
- वी. वी. गिरि एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे जिनके निर्वाचन में द्वितीय चक्र की मतगणना करानी पड़ी थी।
- वी.वी. गिरि प्रथम कार्यवाहक राष्ट्रपति थे।
- राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले सर्वोच्च न्यायालय के एकमात्र मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम. हिदायतुल्ला थे।
- डॉ. जाकिर हुसैन देश के पहले अल्पसंख्यक राष्ट्रपति थे।
- के.आर. नारायणन देश के पहले दलित राष्ट्रपति थे।
- श्रीमती प्रतिभा पाटिल देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनी।

उपराष्ट्रपति

- उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदन सभापति होता है।
- उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय प्रणाली द्वारा होता है।
- उपराष्ट्रपति का कार्यकाल 5 वर्ष होता है, किन्तु वह स्वेच्छा से त्यागपत्र देकर इस अवधि के पूर्व भी अपना पद छोड़ सकता है अथवा उसे राज्यसभा के तत्कालीन और समस्त सदस्यों के बहुमत द्वारा पारित प्रस्ताव से, जिसे लोकसभा भी स्वीकार कर ले, पदच्युत किया जा सकता है।
- उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सदस्य नहीं होता है, अतः उसे मतदान का अधिकार नहीं होता है, किन्तु राज्यसभा के सभापति के रूप में निर्णयक मत देने का अधिकार उसे प्राप्त है।
- राष्ट्रपति की अनुपस्थिति तथा अस्थायी रूप से अपने कर्तव्यों को पूरा करने में असमर्थ रहने की स्थिति में उपराष्ट्रपति उसके स्थान पर कार्य करता है।
- जी.एस. पाठक, बी.डी. जर्जी, प्रम. हिदायतुल्ला, कृष्णाकान्त, भैरो सिंह शेखावत और हामिद अंसारी राष्ट्रपति पद पर पदोन्तति न पाने वाले उपराष्ट्रपति रहे। डॉ. कृष्णाकान्त एकमात्र उपराष्ट्रपति थे जिनका निधन कार्यकाल के दौरान हुआ।

मन्त्रिपरिषद् और प्रधानमन्त्री

- मन्त्रिपरिषद् में एक प्रधानमन्त्री तथा आवश्यकतानुसार अन्य मन्त्री होते हैं। 91वें संवैधानिक संशोधन, 2003 द्वारा अनुच्छेद 164 में प्रावधान किया गया है कि केन्द्र और राज्य मन्त्रिपरिषद् की सदस्य संख्या लोकसभा (केन्द्र के लिए) और विधानसभा (राज्यों के लिए) की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए, परन्तु छोटे राज्यों के लिए न्यूनतम संख्या 12 निर्धारित की गई है।
- मन्त्रिपरिषद् में तीनों श्रेणियों; कैबिनेट मन्त्री, राज्यमन्त्री और उपमन्त्री, के मन्त्री सम्मिलित होते हैं, लेकिन मन्त्रिमण्डल में प्रधानमन्त्री और कैबिनेट स्तर के मन्त्री शामिल होते हैं।

- संसदीय प्रणाली में राष्ट्रपति नव निर्वाचित लोकसभा के बहुमत दल के नेता को प्रधानमन्त्री पद पर नियुक्त करने के लिए बाध्य है।
- प्रधानमन्त्री को वही वेतन तथा भत्ते दिये जाते हैं, जो संसद के सदस्यों को प्रदान किये जाते हैं। प्रधानमन्त्री लोकसभा का नेता होता है। वह राष्ट्रपति तथा मन्त्रिमण्डल के बीच सम्बन्ध स्थापित करता है।
- प्रधानमन्त्री मन्त्रिपरिषद् का निर्माण, विभिन्न मन्त्रियों में विभागों का बँटवारा तथा उनके विभागों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन भी करता है।

भारत की संसद

- भारत की संसद राष्ट्रपति, राज्यसभा तथा लोकसभा से मिलकर बनी है।
- संसद के निम्न सदन को लोकसभा तथा उच्च सदन को राज्यसभा कहते हैं।

राज्यसभा

- संविधान के अनुच्छेद 80 के अनुसार राज्यसभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 हो सकती है। वर्तमान में यह संख्या 245 है।
- राज्यसभा के 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किये जाते हैं।
- राज्यसभा एक स्थायी सदन है। यह कभी भंग नहीं होता बल्कि इसके एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष पर अवकाश ग्रहण करते हैं। राज्यसभा के प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।

लोकसभा

- लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 [530(राज्य से निर्वाचित) + 20(संघीय क्षेत्र से निर्वाचित) + 2 (राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत आंग्ल-भारतीय सदस्य)] हो सकती है। वर्तमान में इसकी सदस्य संख्या 545(530 + 13 + 2) है।
- लोकसभा का कार्यकाल 5 वर्ष है, किन्तु प्रधानमन्त्री के परामर्श के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा को समय से पूर्व भी भंग किया जा सकता है।
- लोकसभा सदस्यों द्वारा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष का निर्वाचन होता है।
- लोकसभा एवं राज्यसभा की दो बैठकों में 6 माह से अधिक का अन्तर नहीं होना चाहिए।

संसद की वित्तीय समितियाँ

समिति	लोकसभा से	राज्यसभा से	कुल सदस्य संख्या	कार्य
लोकलेखा समिति	15	7	22	विभिन्न मन्त्रालयों के व्यय और नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदन पर विचार-विमर्श करना।
प्राक्कलन समिति	30	—	30	सरकार को वित्तीय नीतियों के सम्बन्ध में सुझाव देना।
सार्वजनिक उपक्रम समिति	15	7	22	नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के प्रतिवेदनों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के लेखा व प्रतिवेदनों की समीक्षा और संवैक्षा करना।

राज्य सरकार

राज्यपाल

- राज्य की कार्यपालिका का प्रधान राज्यपाल होता है।
- राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्षों के लिए की जाती है, किन्तु वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करता है।
- वह मुख्यमन्त्री की नियुक्ति करता है तथा उसके परामर्श से अन्य मन्त्रियों की नियुक्ति करता है। वह महाधिवक्ता तथा राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति करता है।

- उसे राज्य व्यवस्थापिका का अधिवेशन बुलाने, स्थगित करने तथा व्यवस्थापिका के निम्न सदन 'विधानसभा' को भंग करने की शक्ति है।
- यदि राज्य के विधानमण्डल का अधिवेशन नहीं चल रहा हो, तो राज्यपाल अध्यादेश जारी कर सकता है।
- यदि राज्य का प्रशासन संविधान के उपबन्धों के अनुसार नहीं चल रहा हो तो वह राष्ट्रपति को राज्य में संवैधानिक तन्त्र की विफलता के सम्बन्ध में सूचना देता है और उसकी रिपोर्ट के आधार पर अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होता है।

मुख्यमन्त्री

- मुख्यमन्त्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। सामान्यतया विधानसभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता को मुख्यमन्त्री नियुक्त किया जाता है।
- मुख्यमन्त्री विधानसभा का नेता होता है।
- वह मन्त्रिपरिषद् का निर्माण, विभिन्न मन्त्रियों में विभागों का बँटवारा तथा उनके विभागों में परिवर्तन करता है।

विधानपरिषद्

- राज्य के विधानमण्डल के उच्च सदन को विधानपरिषद् कहा जाता है।
- वर्तमान समय में विधानपरिषद् भारतीय संघ के केवल 7 राज्यों; उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर; आन्ध्र प्रदेश तथा तेलंगाना में है।
- विधानपरिषद् एक स्थायी सदन है।
- विधानपरिषद् के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होता है। प्रत्येक दो वर्ष पर एक-तिहाई सदस्य अवकाश ग्रहण करते हैं और उनके स्थान पर नये सदस्यों का निर्वाचन होता है।
- संविधान में यह व्यवस्था की गई है कि प्रत्येक राज्य के विधानपरिषद् में सदस्यों की संख्या उस राज्य के विधानसभा सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई से अधिक नहीं होगी, किन्तु साथ ही यह संख्या 40 से कम नहीं हो सकती। 36 सदस्यों वाली जम्मू-कश्मीर की विधानपरिषद् इस नियम का अपवाद है।
- विधानपरिषद् के गठन के लिए निम्न 5 आधारों का सहारा लिया जाता है
 - 1/3 सदस्य राज्य की स्थानीय संस्थाओं द्वारा चुने जाते हैं।
 - 1/3 सदस्य राज्य की विधानसभा द्वारा निर्वाचित होते हैं।
 - 1/12 सदस्य राज्य के पंजीकृत स्नातकों द्वारा निर्वाचित होते हैं।
 - 1/12 सदस्य राज्य के ऐसे अध्यापकों द्वारा निर्वाचित होते हैं, जो माध्यमिक पाठशाला या इससे उच्च शिक्षण संस्था में कम-से-कम 3 वर्ष से अध्यापन कार्य कर रहे हों।
 - 1/6 सदस्य राज्यपाल द्वारा मनोनीत किये जाते हैं। राज्यपाल द्वारा मनोनयन उन व्यक्तियों में से किया जाता है जिनका साहित्य, विज्ञान, कला, सहकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान हो।

विधानसभा

- विधानसभा राज्य के विधानमण्डल का निम्न सदन है। विधानसभा के सदस्यों का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से राज्य के मतदाताओं द्वारा होता है।
- राज्य की विधानसभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 500 और चूनतम संख्या 60 होती है। गोवा (40), मिजोरम (40) और सिक्किम (32) इसके अपवाद हैं। (अनुच्छेद 371)।

- विभानसभाओं में जनसंघ्या के आधार पर अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के लिए स्थानों का आरक्षण किया जाता है। (अनुच्छेद-332)
- साधारण अवस्था में राज्य विधानसभा का कार्यकाल उसकी पहली बैठक से पाँच वर्ष का होता है, किन्तु राज्यपाल द्वारा मुख्यमन्त्री के परामर्श पर, इसे समय से पूर्व भी भंग किया जा सकता है।

पंचायती राज

- ब्रिटिश शासन के दौरान 1882ई. में तत्कालीन वायसराय लॉर्ड रिपन ने स्थानीय स्वायत्र शासन की स्थापना का प्रयास किया था। संविधान के अनुच्छेद 40 में राज्यों को पंचायतों के गठन का निर्देश दिया गया है।
- 1958ई. में राष्ट्रीय विकास परिषद् ने बलवन्त राय मेहता समिति की लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण की संस्तुतियों को स्वीकार करते हुए इसे क्रियान्वित करने के लिए कहा।
- 2 अक्टूबर, 1959ई. को पाइंडिट जवाहरलाल नेहरू ने राजस्थान के नागौर में लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण की योजना को प्रारम्भ किया। इसे पंचायती राज कहा गया।
- राजस्थान प्रथम राज्य है जहाँ सर्वप्रथम सम्पूर्ण राज्य में पंचायती राज की स्थापना की गई।
- जनता पार्टी ने पंचायत राज में सुधार के लिए अशोक मेहता समिति गठित की, जिसने द्विस्तरीय पंचायत संगठन की संस्तुति की। इससे पूर्व त्रिस्तरीय संगठन अस्तित्व में था। इस समिति की संस्तुतियाँ लागू नहीं हुईं।
- 73वाँ संविधान संशोधन पंचायती राज के लिए तथा 74वाँ संविधान संशोधन वर्तमान में निकायों को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने के लिए किया गया।

सर्वोच्च न्यायालय

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-124(1) के तहत 1950 में भारत में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई है, जो देश का शीर्ष न्यायालय है और अन्तिम न्यायालय भी। उस समय एक मुख्य न्यायमूर्ति और 7 अन्य न्यायाधीश थे। वर्तमान में जे.एस. खेहर भारत के मुख्य न्यायाधीश हैं।

न्यायाधीशों की संख्या

वर्तमान में, मुख्य न्यायाधीश तथा 30 अन्य न्यायाधीशों को मिलाकर सर्वोच्च न्यायालय का गठन किया गया है। संसद को अधिकार है कि वह न्यायाधीशों की संख्या को निश्चित करे।

न्यायाधीशों की योग्यताएँ

सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए निम्नलिखित योग्यताएँ आवश्यक हैं

- भारत का नागरिक हो।
- किसी उच्च न्यायालय में अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार कम-से-कम 5 वर्षों तक न्यायाधीश के पद पर रह चुका हो/या किसी उच्च न्यायालय में कम-से-कम 10 वर्ष तक अधिवक्ता रहा हो/या राष्ट्रपति की दृष्टि में विधि का विद्वान् हो।

न्यायाधीशों की नियुक्ति

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश इस प्रसंग में राष्ट्रपति को परामर्श देने के पूर्व अनिवार्य रूप से 'चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों के समूह' से परामर्श प्राप्त करते हैं तथा प्राप्त परामर्श के आधार पर राष्ट्रपति को परामर्श देते हैं।

कार्यकाल व पदच्युति

- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की कार्यवधि उनकी आयु के 65 वर्ष तक की होती है, किन्तु इससे पूर्व वह राष्ट्रपति को सम्बोधित कर अपना इस्तीफा दे सकता है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को केवल
 - (i) प्रमाणित कदाचार तथा
 - (ii) शारीरिक व मानसिक असमर्थता के आधार पर संसद के प्रत्येक सदन द्वारा विशेष बहुमत प्रक्रिया द्वारा पारित 'विशेष प्रस्ताव' के माध्यम से हटाया जा सकता है [अनुच्छेद-124 (4)]

उच्च न्यायालय

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 214 के अनुसार, प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा, लेकिन संसद विधि द्वारा दो-या-दो से अधिक राज्यों और किसी संघ राज्य क्षेत्र के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित कर सकता है।
- उच्च न्यायालय, राज्य न्यायपालिका के शीर्ष पर स्थित है, जो एक अभिलेख न्यायालय है, जिसकी अवमानना पर किसी को दण्डित किया जा सकता है।
- वर्तमान में 24 उच्च न्यायालय हैं, जो 29 राज्यों व 7 संघ शासित प्रदेश तक विस्तृत हैं।

गठन

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 214 के तहत प्रत्येक उच्च न्यायालय का गठन एक मुख्य न्यायाधीश तथा ऐसे अन्य न्यायाधीशों से मिलकर होता है, जो समय-समय पर राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित किए जाएँ। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या के विषय में संविधान मौन (Silent) है।

न्यायाधीशों की योग्यताएँ

उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए अनिवार्य योग्यताएँ हैं

- वह भारत का नागरिक हो।
- भारत के राज्य क्षेत्र में कम-से-कम दस वर्ष तक न्यायाधीश के पद पर कार्य कर चुका हो अथवा
- किसी उच्च न्यायालय का या ऐसे दो या अधिक न्यायालयों का लगातार कम-से-कम दस वर्ष तक अधिवक्ता रहा हो।

न्यायाधीशों की नियुक्ति

- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश तथा उस राज्य के राज्यपाल से परामर्श लेकर भारत के राष्ट्रपति करते हैं।
- उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति सम्बन्धित राज्य के मुख्य न्यायाधीश की सलाह लेकर करता है।

कार्यकाल

- उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के अवकाश ग्रहण करने की अधिकतम आयु सीमा 62 वर्ष है।
- किसी न्यायाधीश को उसके कार्यकाल से पूर्व कदाचार और अक्षमता के आधार पर उसी रीति से हटाया जा सकता है, जिस प्रकार उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है। (महाभियोग प्रक्रिया द्वारा)
- किन्तु, कोई भी न्यायाधीश, राष्ट्रपति को सम्बोधित कर अपना त्याग-पत्र समय से पूर्व भी सौंप सकता है।

नोट वर्ष 1862 में बम्बई, मलकता तथा मद्रास उच्च न्यायालयों की स्थापना की गई, जबकि वर्ष 2013 में मणिपुर, मेघालय तथा त्रिपुरा में अलग स्वतन्त्र उच्च न्यायालयों की स्थापना की गई।

भारत के मुख्य पदाधिकारियों से सम्बन्धित उम्र सम्बन्धी तथ्य

पदाधिकारी	न्यूनतम उम्र	अधिकतम उम्र
राष्ट्रपति	35 वर्ष	—
उपराष्ट्रपति	35 वर्ष	—
लोकसभा अध्यक्ष	25 वर्ष	—
लोकसभा सदस्य	25 वर्ष	—
राज्यसभा सदस्य	30 वर्ष	—
मुख्य न्यायाधीश (सर्वोच्च न्यायालय)	—	65 वर्ष
महान्यायवादी	—	65 वर्ष
नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक	—	65 वर्ष

पदाधिकारी	न्यूनतम उम्र	अधिकतम उम्र
अध्यक्ष (लोक सेवा आयोग)	—	65 वर्ष
राज्यपाल	35 वर्ष	—
मुख्यमन्त्री	25 वर्ष	—
विधानसभा सदस्य	25 वर्ष	—
विधानपरिषद् सदस्य	30 वर्ष	—
मुख्य न्यायाधीश (उच्च न्यायालय)	—	62 वर्ष
अन्य न्यायाधीश (उच्च न्यायालय)	—	62 वर्ष

संविधान के प्रमुख संशोधन

- पहला संशोधन (1951 ई.)** • इस संशोधन द्वारा नवीं अनुसूची को शामिल किया गया।
- 7वाँ संशोधन (1956 ई.)** • इस संशोधन द्वारा भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया।
- 26वाँ संशोधन (1971 ई.)** • इसके द्वारा भूतपूर्व देशी राज्यों के शासकों की विशेष उपाधियों तथा उनके प्रिवीपर्स को समाप्त कर दिया गया।
- 36वाँ संशोधन (1975 ई.)** • सिक्किम को भारतीय संघ में 22वें राज्य के रूप में मान्यता प्रदान की गई।
- 42वाँ संशोधन (1976 ई.)** • कुछ विद्वानों द्वारा इसकी व्यापक प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुए इसे लघु संविधान (Mini Constitution) की संज्ञा प्रदान की गई है। इसकी प्रमुख बातें इस प्रकार हैं
 - इसके द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष', 'समाजवादी' और 'अखण्डता' शब्द जोड़े गए।
 - इसके द्वारा अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की व्यवस्था करते हुए नागरिकों को 10 मूल कर्तव्य निश्चित किए गए।
- 44वाँ संशोधन (1978 ई.)** • इसकी प्रमुख बातें इस प्रकार हैं
 - सम्पत्ति के मूलाधिकार को समाप्त कर विधिक अधिकार बना दिया गया।
 - 'व्यक्ति के जीवन और स्वतन्त्रता के अधिकार' को शासन के द्वारा आपातकाल में भी स्थगित या सीमित नहीं किया जा सकता।
- 52वाँ संशोधन (1985 ई.)** • इस संशोधन द्वारा संविधान में दसवीं अनुसूची जोड़ी गई। इसके द्वारा राजनीतिक दल-बदल पर कानूनी रोक लगाने की चेष्टा की गई।
- 61वाँ संशोधन (1989 ई.)** • मताधिकार के लिए न्यूनतम उम्र 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई।
- 73वाँ संशोधन (1992 ई.)** • संविधान में एक नया भाग 9 तथा एक नई अनुसूची 11वीं अनुसूची जोड़ी गई और पंचायती राज्य व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- 74वाँ संशोधन (1993 ई.)** • संविधान में एक नया भाग 9क और एक नई 12वीं अनुसूची जोड़कर शहरी क्षेत्र की स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- 84वाँ संशोधन (2001 ई.)** • लोकसभा एवं विधानसभाओं की सीटों की संख्या में वर्ष 2026 तक कोई छेड़छाड़ नहीं करने सम्बन्धी 84वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2002 पारित किया गया।
 - निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन सन् 1991 की जनगणना पर आधारित होगा।
- 85वाँ संशोधन (2001 ई.)** • इस संशोधन से सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों को पदोन्तति में आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया गया।
- 91वाँ संशोधन (2003 ई.)** • इसमें दलबदल विरोधी कानून में संशोधन किया गया है। इसके अतिरिक्त यह प्रावधान भी किया गया है कि केन्द्र एवं राज्य सरकारें अपने-अपने मन्त्रिपरिषद् में मन्त्रियों की संख्या लोकसभा और विधानसभा की सीटों के 15% से ज्यादा नहीं कर सकतीं।
- 92वाँ संशोधन (2003 ई.)** • इसमें 8वीं अनुसूची में चार भाषाओं; मैथिली, डोगरी, बोडो और सन्थाली; को जोड़ा गया है।
- 93वाँ संशोधन (2005 ई.)** • सरकारी शिक्षण संस्थाओं के साथ ही निजी शिक्षण संस्थाओं में भी आरक्षण का प्रावधान लागू करने के लिए लाया गया।
- 94वाँ संशोधन (2006 ई.)** • इसके द्वारा जनजातीय लोगों के कल्याण के उद्देश्य से अनुच्छेद 164 के अन्तर्गत झारखण्ड और छत्तीसगढ़ को भी शामिल करते हुए इन दोनों राज्यों में भी जनजातीय मन्त्री बनाने का प्रावधान किया गया है।
- 95वाँ संशोधन (2011)** • 'उड़िया' भाषा का 'ओडिया' में परिवर्तन किया गया।
- 97वाँ संविधान संशोधन अधिनियम (2012)** • इसके द्वारा संविधान के अनुच्छेद 19 (i), अनुच्छेद 43B तथा भाग 9B में संशोधन कर सहकारी समितियों (co-operative) को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- 98वाँ संविधान संशोधन अधिनियम (2013)** • हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र को विकसित करने के लिए कर्नाटक के राज्यपाल को अतिरिक्त शक्तियाँ प्रदान करने हेतु।
- 99वाँ संविधान संशोधन अधिनियम (2014)** • राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन
- 100वाँ संविधान संशोधन अधिनियम (2015)** • भारत और बांग्लादेश के मध्य हुए भू-स्थानान्तरण समझौते (1974) को लागू करने हेतु।
- 101वाँ संविधान संशोधन अधिनियम (2016)** • जी एस टी कर से सम्बन्धित।

ଓ अभ्यास के लिए प्रश्न

ଓ संविधान का निर्माण

- भारत की संविधान सभा किसके अनुसार गठित की गई?
 - साइमन कमीशन का प्रस्ताव
 - फ्रिस प्रस्ताव
 - माउण्टबेटन योजना
 - कैविनेट मिशन योजना
- संविधान सभा के सदस्यों को निम्न में से किसने प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित किया?
 - प्रान्तों की विधानसभा
 - संघीय व्यवस्थापिका
 - 'a' एवं 'b' दोनों
 - उपरोक्त में से कोई नहीं
- संविधान सभा की प्रथम बैठक कब हुई?
 - 10 जून, 1946
 - 9 दिसम्बर, 1946
 - 26 नवम्बर, 1949
 - 26 दिसम्बर, 1949
- संविधान सभा के उद्घाटन अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की?
 - जवाहरलाल नेहरू
 - बी आर अम्बेडकर
 - सचिवानन्द सिन्हा
 - राजेन्द्र प्रसाद
- संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष कौन थे?
 - बी आर अम्बेडकर
 - महात्मा गांधी
 - राजेन्द्र प्रसाद
 - सचिवानन्द सिन्हा
- भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे
 - बी आर अम्बेडकर
 - जे बी कृपलानी
 - जवाहरलाल नेहरू
 - बी एन राव
- संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार किसे नियुक्त किया गया था?
 - बी आर अम्बेडकर
 - बी एन राव
 - के एम मुंशी
 - वल्लभ भाई पटेल
- संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव किसने प्रस्तुत किया?
 - सचिवानन्द सिन्हा
 - वल्लभ भाई पटेल
 - राजेन्द्र प्रसाद
 - जवाहरलाल नेहरू
- संविधान सभा ने अन्तिम रूप से संविधान को कब पारित कर दिया?
 - 26 जनवरी, 1950
 - 15 अगस्त, 1947
 - 26 नवम्बर, 1949
 - 2 अक्टूबर, 1950
- भारतीय संविधान किस दिन से पूर्णतः लागू हुआ?
 - 26 जनवरी, 1949
 - 26 नवम्बर, 1949
 - 26 जनवरी, 1950
 - 15 अगस्त, 1947
- भारत गणतन्त्र कब बना?
 - 15 अगस्त, 1949
 - 26 नवम्बर, 1949
 - 26 जनवरी, 1949
 - 26 जनवरी, 1950
- भारत एक गणतन्त्र है, इसका अर्थ है
 - सभी मामलों में अन्तिम अधिकार जनता के पास है

- (b) भारत में संसदीय शासन व्यवस्था है
- (c) भारत में वंशानुगत शासक नहीं है
- (d) भारत राज्यों का एक संघ है
13. संविधान सभा द्वारा अन्तिम रूप से पारित संविधान में कुल कितने अनुच्छेद और अनुसूचियाँ थीं?
 - 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ
 - 395 अनुच्छेद, 10 अनुसूचियाँ
 - 375 अनुच्छेद, 7 अनुसूचियाँ
 - 444 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ
14. भारतीय संविधान के किस भाग को उसकी आत्मा की संज्ञा दी गई है?
 - मूल अधिकार
 - प्रस्तावना
 - संविधानिक उपचारों का अधिकार
 - संशोधन प्रक्रिया
15. भारतीय संविधान की कौन-सी विशेषता इंग्लैण्ड से ली गई है?
 - संसदीय प्रणाली
 - संघीय प्रणाली
 - मूल अधिकार
 - मूल कर्तव्य
16. वर्तमान में भारतीय संविधान में कुल कितनी अनुसूचियाँ हैं?
 - 8
 - 10
 - 12
 - 14
17. भारत संघ में शामिल राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों का उल्लेख भारतीय संविधान की किस अनुसूची में है?
 - प्रथम
 - द्वितीय
 - तृतीय
 - चतुर्थ
18. भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची का सम्बन्ध है
 - राज्यसभा में प्रतिनिधित्व से
 - शपथ एवं प्रतिज्ञान से
 - भाषाओं से
 - उपरोक्त में से कोई नहीं
19. भारतीय संविधान की किस अनुसूची में राजभाषाओं का उल्लेख है?
 - साठवीं
 - आठवीं
 - नवीं
 - दसवीं
20. दलबदल से सम्बन्धित प्रावधान किस अनुसूची में रखे गए हैं?
 - पाँचवीं
 - छठी
 - आठवीं
 - दसवीं
21. पंचायती राज व्यवस्था सम्बन्धित प्रावधान भारतीय संविधान की किस अनुसूची में रखे गए हैं?
 - आठवीं
 - नवीं
 - दसवीं
 - ग्यारहवीं
22. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में यह अंकित है कि "भारत अर्थात् इण्डिया राज्यों का एक संघ होगा"।
 - अनुच्छेद-1
 - अनुच्छेद-2
 - अनुच्छेद-3
 - अनुच्छेद-4
23. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति' की बात कही गई है?
 - अनुच्छेद-31
 - अनुच्छेद-36
 - अनुच्छेद-38
 - अनुच्छेद-51
24. संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत राष्ट्रपति अध्यादेश जारी करता है?
 - अनुच्छेद-109
 - अनुच्छेद-110
 - अनुच्छेद-123
 - अनुच्छेद-124
25. संविधान के किस अनुच्छेद के द्वारा संघ एवं राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया गया है?
 - अनुच्छेद-310
 - अनुच्छेद-312
 - अनुच्छेद-314
 - अनुच्छेद-315
26. भारतीय संघ में किसी राज्य को समिलित करने का अधिकार किसे है?
 - राष्ट्रपति
 - संसद
 - प्रधानमन्त्री
 - लोकसभा अध्यक्ष
27. वर्ष 1953 में गठित 'राज्य पुनर्गठन आयोग' के अध्यक्ष कौन थे?
 - न्यायमूर्ति फजल अली
 - वल्लभ भाई पटेल
 - बी आर अम्बेडकर
 - के एम मुंशी
28. सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय के अनुसार निजता के अधिकार (Right to Privacy) को संविधान के किस अनुच्छेद के तहत परिभाषित किया गया है?
 - अनुच्छेद-19
 - अनुच्छेद-21
 - अनुच्छेद-21(A)
 - अनुच्छेद-19(A)
29. भाषायी आधार पर गठित भारत का प्रथम राज्य था
 - हरियाणा
 - केरल
 - तमिलनाडु
 - आन्ध्र प्रदेश
30. पाण्डिचेरी को किस वर्ष भारतीय संघ में शामिल किया गया?
 - 1956 ई.
 - 1954 ई.
 - 1955 ई.
 - 1958 ई.
31. भारतीय संविधान निम्नलिखित में से कौन-सी नागरिकता प्रदान करता है?
 - एकल नागरिकता
 - दोहरी नागरिकता
 - (a) एवं (b) दोनों
 - इनमें से कोई नहीं
32. भारत की नागरिकता किस प्रकार प्राप्त की जा सकती है?
 - जन्म से
 - वंशानुक्रम से
 - देशीयकरण से
 - ये से
33. भारतीय नागरिकता का अन्त किस प्रकार किया जा सकता है?
 - नागरिकता का परित्याग करने से
 - सरकार द्वारा नागरिकता छीनने से
 - अन्य देश की नागरिकता ग्रहण करने से

- (d) उपरोक्त सभी प्रकार से
- 34.** निम्नलिखित में से कौन-सी शर्त भारत की नागरिकता प्राप्त करने के लिए नहीं है?
- अधिवास
 - पंजीकरण
 - वैशानुक्रम
 - सम्पत्ति स्वामित्र्य
- 35.** वर्तमान में भारत में राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की संख्या क्रमशः है
- 25 एवं 7
 - 27 एवं 8
 - 29 एवं 7
 - 28 एवं 5

ⓘ मूल अधिकार एवं नीति निर्देशक सिद्धान्त

- 36.** भारतीय संविधान में नागरिकों के मूल अधिकारों का वर्णन है
- अनुच्छेद-12 से 35 तक
 - अनुच्छेद-13 से 36 तक
 - अनुच्छेद-15 से 39 तक
 - अनुच्छेद-16 से 40 तक
- 37.** वर्तमान में भारतीय नागरिकों को कितने मूल अधिकार प्राप्त हैं?
- 5
 - 6
 - 7
 - 8
- 38.** मूल अधिकारों को प्रवर्तित कराने की शक्ति किसे प्राप्त है?
- संसद को
 - राष्ट्रपति को
 - उच्चतम उच्च एवं न्यायालय को
 - सिर्फ उच्चतम न्यायालय को
- 39.** प्रेस की स्वतन्त्रता का अधिकार निहित है
- अनुच्छेद-19 (1) में
 - अनुच्छेद-19 (2) में
 - अनुच्छेद-21 (1) में
 - अनुच्छेद-24 (2) में
- 40.** 'सम्पत्ति के अधिकार' को किस संविधान संशोधन के द्वारा मूल अधिकार से हटा दिया गया?
- 42वें
 - 43वें
 - 44वें
 - 46वें
- 41.** वर्तमान में 'सम्पत्ति का अधिकार' है एक प्रकार का
- मूल अधिकार
 - नैसर्जिक अधिकार
 - विधिक अधिकार
 - इनमें से कोई नहीं
- 42.** किस अनुच्छेद के द्वारा 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार मूल अधिकार माना गया है?
- अनुच्छेद-20
 - अनुच्छेद-21
 - अनुच्छेद-22
 - अनुच्छेद-21 A
- 43.** 'व्यक्तिगत स्वतन्त्रता' के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी रिट (writ) याचिका दायर की जा सकती है?
- मैट्डमस (परमादेश)
 - हेबियस कार्पस (बन्दी प्रत्यक्षीकरण)
 - को-वारन्टो (अधिकार-पृच्छा)
 - सर्जियोररी (उत्पाषण)
- 44.** मत देने का अधिकार होता है
- राजनीतिक अधिकार
 - नागरिक अधिकार
 - आर्थिक अधिकार
 - कानूनी अधिकार

- 45.** भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राज्य के नीति निदेशक तत्वों का उल्लेख है?
- अनुच्छेद 33-46
 - अनुच्छेद 34-48
 - अनुच्छेद 36-51
 - अनुच्छेद 34-52
- 46.** संविधान में 'कल्याणकारी राज्य' की अवधारणा किसमें निहित है?
- प्रस्तावना में
 - मूल अधिकार में
 - नीति निदेशक तत्वों में
 - मूल कर्तव्य में
- 47.** नीति निदेशक सिद्धान्त है
- वाद योग्य
 - वाद योग्य नहीं
 - अंशतः वाद योग्य
 - इनमें से कोई नहीं
- 48.** भारतीय नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता का उल्लेख किस अनुच्छेद में है?
- अनुच्छेद-40
 - अनुच्छेद-42
 - अनुच्छेद-43
 - अनुच्छेद-44
- 49.** भारत के किस राज्य में 'समान नागरिक संहिता' लागू है?
- हरियाणा
 - बिहार
 - गोवा
 - कर्नाटक
- 50.** राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों के अनुसार किस आयु तक के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा देने की आशा की जाती है?
- 14 वर्ष
 - 16 वर्ष
 - 8 वर्ष
 - 12 वर्ष
- 51.** भारतीय संविधान में 'मूल कर्तव्यों' का वर्णन किस अनुच्छेद में है?
- अनुच्छेद-51
 - अनुच्छेद-51 (क)
 - अनुच्छेद-52
 - अनुच्छेद-53
- 52.** संविधान में मूल कर्तव्यों की प्रेरणा किस देश से ली गई है?
- जर्मनी
 - आयरलैण्ड
 - पूर्व सोवियत संघ
 - दक्षिण अफ्रीका
- 53.** वर्तमान में संविधान में मूल कर्तव्यों की कुल संख्या है
- 8
 - 9
 - 10
 - 11
- ⓘ केन्द्र सरकार**
- 54.** भारत में कार्यपालिका का अध्यक्ष कौन होता है?
- राष्ट्रपति
 - प्रधानमन्त्री
 - विषय का नेता
 - भारत सरकार का मुख्य सचिव
- 55.** भारतीय संघ की शक्ति किसमें निहित है?
- संसद
 - प्रधानमन्त्री
 - राष्ट्रपति
 - मन्त्रिमण्डल
- 56.** राष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल में शामिल है
- संसद के दोनों सदनों के सदस्य तथा राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य
 - संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य तथा राज्यों की विधानसभाओं एवं विधान परिषदों के निर्वाचित सदस्य
 - संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य तथा राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य
 - संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य

68. किस एकमात्र उप-राष्ट्रपति की मृत्यु पद पर आसीन रहते हुई?

- (a) कृष्णगांत (b) जी एस पाठक
(c) बी डी जटी (d) मोहम्मद हिदायतुल्ला

69. निम्न में से कौन संसद का स्थायी एवं उच्च सदन है?

- (a) लोकसभा (b) राज्यसभा
(c) 'a' एवं 'b' दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

70. राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में कितने सदस्यों को मनोनीत किया जाता है?

- (a) 10 (b) 11 (c) 12 (d) 14

71. राज्यसभा में किस राज्य के प्रतिनिधियों की संख्या सर्वाधिक है?

- (a) बिहार (b) तमिलनाडु
(c) मध्य प्रदेश (d) उत्तर प्रदेश

72. लोकसभा के लिए प्रथम आम चुनाव कब हुआ था?

- (a) 1948 (b) 1952 (c) 1953 (d) 1954

73. लोकसभा का चुनाव लड़ने के इच्छुक व्यक्ति की न्यूनतम आयु होनी चाहिए

- (a) 21 वर्ष (b) 24 वर्ष (c) 25 वर्ष (d) 28 वर्ष

74. कौन-सा राज्य सबसे अधिक प्रतिनिधि लोकसभा में भेजता है?

- (a) उत्तर प्रदेश (b) बिहार
(c) पश्चिम बंगाल (d) आन्ध्र प्रदेश

75. लोकसभा एवं राज्यसभा के दो अधिवेशनों के बीच अधिकतम कितने समय का अन्तर होना चाहिए?

- (a) 3 महीने (b) 6 महीने
(c) 8 महीने (d) 9 महीने

76. कोई विधेयक 'धन विधेयक' है, इसका निर्णय कौन लेता है?

- (a) प्रधानमन्त्री
(b) लोकसभा का महासचिव
(c) राष्ट्रपति
(d) लोकसभा अध्यक्ष

77. संसद के संयुक्त अधिवेशन को कौन बुलाता है?

- (a) राष्ट्रपति (b) प्रधानमन्त्री
(c) लोकसभा अध्यक्ष (d) विपक्ष का नेता

78. प्रधानमन्त्री की नियुक्ति कौन करता है?

- (a) लोकसभा अध्यक्ष (b) राष्ट्रपति
(c) उप-राष्ट्रपति (d) बहुमत दल का नेता

79. स्वतन्त्र भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री थे

- (a) वल्लभ बाई पटेल (b) राजेन्द्र प्रसाद
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) महात्मा गांधी

80. प्रधानमन्त्री या कोई मन्त्री जो संसद के किसी सदन का सदस्य नहीं है उसे मन्त्री पद पर बने रहने के लिए कितने दिनों के अन्दर संसद का सदस्य बनना आवश्यक है?

- (a) 3 माह (b) 6 माह (c) 9 माह (d) 1 वर्ष

81. मन्त्रिपरिषद् सामूहिक रूप से किसके प्रति उत्तरदायी होती है?

- (a) प्रधानमन्त्री (b) राष्ट्रपति
(c) लोकसभा (d) राज्यसभा

82. यदि किसी मन्त्री के विरुद्ध अविश्वास मत पारित हो जाए तो

- (a) सिफ सम्बन्धित मन्त्री त्यागपत्र देता है
(b) प्रधानमन्त्री को त्यागपत्र देना होता है
(c) मन्त्रिपरिषद् इस्तीफा देती है
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं होता

83. वित्त विधेयक सबसे पहले संसद के किस सदन में पेश किया जाता है?

- (a) लोकसभा (b) राज्यसभा
(c) किसी भी सदन में (d) इनमें से किसी में नहीं

84. निम्नलिखित में से किसे लोकसभा की कार्यालयों में भाग लेने का अधिकार तो है, परन्तु मत देने का अधिकार नहीं है?

- (a) महान्यायाधीश
(b) महाधिवक्ता
(c) विपक्ष का नेता
(d) राज्यसभा का सभापति

85. सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव संसद के किस सदन में लाया जाता है?

- (a) लोकसभा (b) राज्यसभा
(c) किसी भी सदन में (d) इनमें से कोई नहीं

86. लोकसभा का विधाटन कौन कर सकता है?

- (a) राष्ट्रपति (b) प्रधानमन्त्री
(c) गृहमन्त्री (d) लोकसभा अध्यक्ष

87. लोकसभा का नेता कौन होता है?

- (a) विपक्ष का नेता (b) प्रधानमन्त्री
(c) लोकसभा अध्यक्ष (d) गृहमन्त्री

88. भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति कौन करता है?

- (a) प्रधानमन्त्री (b) गृहमन्त्री
(c) राष्ट्रपति (d) वित्तमन्त्री

5 राज्य सरकार

89. राज्य की कार्यपालिका का प्रमुख कौन होता है?

- (a) राज्यपाल (b) मुख्यमन्त्री
(c) विधानसभा अध्यक्ष (d) राष्ट्रपति

90. राज्यों में राज्यपाल की नियुक्ति कौन करता है?

- (a) प्रधानमन्त्री (b) राष्ट्रपति
(c) गृहमन्त्री
(d) भारत के मुख्य न्यायाधीश

91. राज्यपाल पद पर बना रहता है

- (a) 5 वर्षों के लिए
(b) संसद द्वारा निश्चित समय के लिए
(c) राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त
(d) उपरोक्त सभी

92. राज्यपाल विधानसभा में आंग भारतीय समुदाय के कितने सदस्यों को नियुक्त कर सकता है?

- (a) 4 (b) 3 (c) 2 (d) 1

93. राज्य स्तर पर मन्त्रिपरिषद् के मन्त्रियों की नियुक्ति कौन करता है?

- (a) दल का अध्यक्ष (b) मुख्यमन्त्री
(c) राज्यपाल (d) प्रधानमन्त्री

94. मुख्यमन्त्री की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?

- (a) राष्ट्रपति (b) प्रधानमन्त्री
(c) राज्यपाल (d) विधानसभाध्यक्ष

95. संघ राज्य क्षेत्रों का प्रशासन कौन चलाता है?

- (a) उप-राज्यपाल
(b) राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त प्रशासक
(c) मुख्यमन्त्री
(d) ये सभी

96. राज्य का राज्यपाल किसके प्रति उत्तरदायी होता है?

- (a) विधानसभा (b) विधानपरिषद्
(c) लोकसभा (d) राष्ट्रपति

97. किस राज्य में विधानसभा सदस्यों की संख्या सर्वाधिक है?

- (a) उत्तर प्रदेश (b) बिहार
(c) आन्ध्र प्रदेश (d) तमिलनाडु

98. विधानसभा एवं विधानपरिषद् के वर्ष में कम से कम कितने अधिवेशन होने अनिवार्य हैं?

- (a) एक (b) दो (c) तीन (d) चार

99. विधानपरिषद् के बारे में निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?

- (a) इस सदन का सदरस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु 30 वर्ष है
(b) इसकी सदरस्य संख्या विधानसभा की सदरस्य संख्या के एक तिहाई से अधिक नहीं हो सकती है
(c) इसकी न्यूनतम सदरस्य संख्या 40 है
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

100. संविधान के अनुच्छेद-370 के द्वारा किस राज्य को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त है?

- (a) झारखण्ड (b) उत्तराखण्ड
(c) जम्मू कश्मीर (d) अरुणाचल प्रदेश

101. वर्तमान में भारत में कितने राज्यों में विधान परिषद् कार्यरत है?

- (a) 3 (b) 5 (c) 6 (d) 7

102. राज्यीय विकास परिषद् की बैठक में राज्य का प्रतिनिधित्व कौन करता है?

- (a) मुख्यमन्त्री (b) राज्यपाल
(c) कैविनेट सचिव (d) विधानसभाध्यक्ष

103. राज्य का प्रथम 'विधि अधिकारी' कौन होता है?

- (a) महान्यायाधीश
(b) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(c) भाराधिवक्ता
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

6 न्यायपालिका

104. भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या है

- (a) 24 (b) 25 (c) 31 (d) 27

105. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है?

- (a) राष्ट्रपति (b) प्रधानमन्त्री
(c) मन्त्रिपरिषद् (d) संसद

- 106.** भारत के सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश कितनी उम्र तक अपने पद पर बना रह सकता है?
- 60 वर्ष
 - 62 वर्ष
 - 64 वर्ष
 - 65 वर्ष
- 107.** सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश कौन थे?
- एवं जे सारस्वत
 - एवं जे कानिश
 - एस एस सीकरी
 - वाई वी चन्द्रचूड़
- 108.** संविधान की व्याख्या करने का अनित्म अधिकार किसे प्राप्त है?
- लोकसभा अध्यक्ष
 - राष्ट्रपति
 - सर्वोच्च न्यायालय
 - महान्यायवादी
- 109.** सर्वोच्च न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश थीं
- लीला सेठ
 - एम फातिमा बीबी
 - सुनदा भण्डारे
 - इन्दिरा जय सिंह
- 110.** निम्न में से भारत के किस मुख्य न्यायाधीश ने राष्ट्रपति के रूप में काम किया?
- जस्टिस एम हिंदायतुल्ला
 - जस्टिस पी एन भगवती
 - जस्टिस बी के मुखर्जी
 - जस्टिस एम सी महाजन
- 111.** भारत में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना हुई थी
- 1950 के संसद के एक अधिनियम द्वारा
 - भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम, 1947 के द्वारा
 - भारतीय संविधान के द्वारा
 - भारत सरकार अधिनियम, 1935 द्वारा
- 112.** सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति किसके पास है?
- राष्ट्रपति
 - संसद
 - प्रधानमन्त्री
 - विधि मन्त्रालय
- 113.** भारत में न्यापालिका है
- स्वतन्त्र
 - संसद के अधीन
 - सामूहिक
 - व्यावहारिक
- 114.** भारत में कुल कितने उच्च न्यायालय हैं?
- 15
 - 18
 - 24
 - 28

- 115.** उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है?
- राज्यपाल
 - राष्ट्रपति
 - प्रधानमन्त्री
 - सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
- 116.** उच्च न्यायालय के न्यायाधीश किस आयु तक अपना पद धारण कर सकते हैं?
- 58 वर्ष
 - 60 वर्ष
 - 62 वर्ष
 - 65 वर्ष
- ### ⓘ विगत वर्षों के प्रश्न
- 117.** स्वतन्त्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
 - जेरैल नेहरू
 - सरदार पटेल
 - डॉ. एस. राधाकृष्णन
- 118.** “लोकतन्त्र ऐसी सरकार है जिसमें प्रत्येक को हिस्सेदारी होती है”, यह किसका मत था?
- सीले
 - अब्राहम लिंक
 - प्लूटो
 - जियोवन्स
- 119.** जिला न्यायाधीश किसके नियन्त्रण के अधीन होता है? [SSC कांस्टेबल, 2013]
- राज्य सरकार
 - उच्च न्यायालय
 - उच्चतम न्यायालय
 - राज्यपाल
- 120.** सामाजिक न्याय का क्या अर्थ है? [SSC कांस्टेबल, 2013]
- सभी को समान आर्थिक अधिकार मिलने चाहिए
 - सभी को समान राजनीतिक अधिकार मिलने चाहिए
 - जाति, नस्ल, रंग और लिंग आधारित सभी प्रकार का भेदभाव दूर होना चाहिए
 - सभी को धर्म की स्वतन्त्रता का अधिकार दिया जाना चाहिए
- 121.** स्वतन्त्रता के लिए क्या अनिवार्य है? [SSC कांस्टेबल, 2013]
- प्रतिबन्ध
 - अधिकार
 - विशेषाधिकार
 - कानून
- 122.** संघ सरकार में मन्त्री इनके प्रसाद के दौरान कार्यालय में कार्यभार प्रहण करते हैं [SSC कांस्टेबल, 2012]
- लोकसभा
 - संसद
 - राष्ट्रपति

उत्तरमाला

1	(d)	2	(a)	3	(b)	4	(c)	5	(c)	6	(a)	7	(b)	8	(d)	9	(c)	10	(c)
11	(d)	12	(c)	13	(a)	14	(c)	15	(a)	16	(c)	17	(a)	18	(b)	19	(b)	20	(d)
21	(d)	22	(a)	23	(d)	24	(c)	25	(d)	26	(b)	27	(a)	28	(b)	29	(d)	30	(b)
31	(a)	32	(d)	33	(d)	34	(d)	35	(c)	36	(a)	37	(b)	38	(c)	39	(a)	40	(c)
41	(c)	42	(d)	43	(b)	44	(a)	45	(c)	46	(c)	47	(b)	48	(d)	49	(c)	50	(a)
51	(b)	52	(c)	53	(d)	54	(a)	55	(a)	56	(c)	57	(d)	58	(d)	59	(a)	60	(b)
61	(c)	62	(c)	63	(d)	64	(b)	65	(d)	66	(c)	67	(b)	68	(a)	69	(b)	70	(c)
71	(d)	72	(b)	73	(c)	74	(a)	75	(b)	76	(d)	77	(a)	78	(b)	79	(c)	80	(b)
81	(c)	82	(c)	83	(a)	84	(a)	85	(c)	86	(a)	87	(b)	88	(c)	89	(a)	90	(b)
91	(c)	92	(d)	93	(c)	94	(c)	95	(b)	96	(d)	97	(a)	98	(b)	99	(d)	100	(c)
101	(d)	102	(a)	103	(c)	104	(c)	105	(a)	106	(d)	107	(b)	108	(c)	109	(b)	110	(a)
111	(d)	112	(b)	113	(a)	114	(c)	115	(b)	116	(c)	117	(a)	118	(c)	119	(b)	120	(c)
121	(b)	122	(c)	123	(a)	124	(d)	125	(a)	126	(d)	127	(c)	128	(a)	129	(b)		